Q.1) राष्ट्रकूट वंश के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) इसकी स्थापना दंतिदुर्ग ने की थी, जिसने गुर्जरों को हराया था।
b) उनके तहत, मंदिर वास्तुकला की वेसर शैली पहली बार प्रकट हुई थी।
c) राष्ट्रकूट वंश के कृष्ण प्रथम ने एलोरा में शानदार शिलाकृत एकाश्म कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था।
d) राष्ट्रकूट वंश के अमोघवर्ष प्रथम को अक्सर उनके धार्मिक स्वभाव के कारण "दक्षिण का अशोक" कहा जाता था।

Q.1) Solution (b)

- राष्ट्रकूट कन्नड़ मूल के थे और कन्नड़ भाषा उनकी मातृभाषा थी। दन्तिदुर्ग राष्ट्रकूट वंश का संस्थापक था। उसने गुर्जरों को पराजित किया तथा मालवा पर अधिकार कर लिया। इसके पश्चात्, उसने कीर्तिवर्मन द्वितीय को हराकर चालुक्य साम्राज्य का विनाश किया। इस प्रकार, राष्ट्रकूट दक्कन में एक सर्वोपरि शक्ति बन गये।
- चालुक्य कला के महान संरक्षक थे। उन्होंने संरचनात्मक मंदिरों (**structural temples**) के निर्माण में वेसर शैली विकसित की। हालांकि, वेसर शैली राष्ट्रकूट और होयसल के अंतर्गत ही अपने चरमोत्कर्ष तक पहुंची। इसलिए विकल्प (बी) गलत है।
- एलोरा और एलीफेंटा में राष्ट्रकूटों की कला और वास्तुकला देखने को मिलती है। एलोरा में, सबसे उल्लेखनीय मंदिर कैलाश मंदिर है। कृष्णा प्रथम ने गंग और वेंगी के पूर्वी चालुक्यों को हराया। कृष्ण प्रथम ने एलोरा में शानदार शिलाकृत एकाश्म कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया।
- अमोघवर्ष प्रथम (814–878 ई.) राष्ट्रकूट के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक था, जिसने एक नई राजधानी का निर्माण किया, जो मान्याखेत (आधुनिक मलखेड) थी। उन्होंने वेंगवल्ली में आक्रमणकारी पूर्वी चालुक्यों को हराया और वीरनारायण की उपाधि धारण की। वे साहित्य के संरक्षक थे तथा स्वयं कन्नड़ और संस्कृत में निपुण विद्वान थे। उन्होंने कविराजमर्ग लिखा, जो काव्यों पर सबसे प्रथम कन्नड़ कार्य था और संस्कृत में प्राणोत्सर्ग रत्नमाला लिखा। उनके धार्मिक स्वभाव, कला और साहित्य में उनकी रुचि तथा उनके शांति-प्रिय स्वभाव के कारण, उनकी तुलना अक्सर सम्राट अशोक से की जाती है और उन्हें "दक्षिण का अशोक" कहा जाता है, एवं उनकी तुलना विद्वान पुरुषों को संरक्षण देने के लिए गुप्त राजा विक्रमादित्य से भी की जाती है।

Q.2) पाल साम्राज्य का पूर्वी भारत में नवीं शताब्दी के मध्य तक प्रभुत्व था। निम्नलिखित में से कौन सा कथन पाल साम्राज्य के बारे में सही नहीं है / हैं?

1. धर्मपाल के अधीन पाल साम्राज्य ने असम, उड़ीसा और नेपाल तक विस्तार किया।
2. पाल का रोमन साम्राज्य के साथ घनिष्ठ व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क था।
3. पाल शासक बौद्ध धर्म के साथ-साथ जैन धर्म के महान संरक्षक थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.2) Solution (d)

- 750 -1000 ईस्वी सन् की अवधि को तीन महत्वपूर्ण राजनीतिक शक्तियों के विकास से चिह्नित किया गया था, अर्थात्, गुर्जर-प्रतिहार (जो पश्चिमी भारत और ऊपरी गंगा घाटी में 10 वीं शताब्दी के मध्य तक प्रभावी थे), पाल (जिन्होंने 9 वीं शताब्दी के मध्य तक पूर्वी भारत पर शासन किया था), और राष्ट्रकूट (जिन्होंने दक्खन पर अपना प्रभाव बना लिया था तथा उत्तर और दक्षिण भारत के क्षेत्रों पर भी नियंत्रण किया था)।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
देवपाल (810 -850 ई.) ने प्राग्योतिषपुर / कामरुप (असम), उड़ीसा (उत्कल) के कुछ हिस्सों और आधुनिक नेपाल को शामिल करने के लिए पाल साम्राज्य का विस्तार किया। उन्होंने पूरे उत्तर भारत में हिमालय से लेकर विंध्य तक और पूर्व से पश्चिमी महासागरों तक शुल्क/ उपहार लेने का दावा किया।	उत्तरी भारत में, 750–1000 ई. अवधि को ठहराव की अवधि माना जाता था तथा यहां तक कि व्यापार और वाणिज्य के मामले में भी गिरावट आई थी। यह मुख्य रूप से रोमन साम्राज्य के पतन के कारण था जिसके साथ पहले भारत ने व्यापार संबंधों को समृद्ध किया था। पाल का दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्क था।	पाल राजा बौद्ध धर्म, विशेषकर महायान और बौद्ध धर्म के तांत्रिक स्कूल के अनुयायी थे। उन्होंने पूर्वी भारत में मठ (विहार) और मंदिर बनाकर इस धर्म को बहुत बढ़ावा दिया। पाल की विरासत अभी भी तिब्बती बौद्ध धर्म में परिलक्षित होती है। पाल शासक केवल बौद्ध धर्म के महान संरक्षक थे।

Q.3) भारत में मुस्लिम शासन की स्थापना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पहला मुस्लिम राज्य भारत में अजमेर में मजबूती से स्थापित किया गया था।
2. तराइन की दूसरी लड़ाई में कन्नौज पर मुसलमानों का अधिकार हो गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.3) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
उत्तर भारत के हिंदू राजकुमारों ने पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में एक संघ का गठन किया। 1191 में दिल्ली के पास तराइन की पहली लड़ाई में पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को हराया। इस पराजय से गोरी ने बहुत अपमानित महसूस किया। 1192 में तराइन के आगामी युद्ध में, मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज की सेना को पूरी तरह से पराजित कर दिया, जिसे पकड़ लिया गया और मार दिया गया। तराइन की दूसरी लड़ाई एक निर्णायक लड़ाई थी। यह राजपूतों के लिए एक बड़ी आपदा थी। पहला मुस्लिम राज्य, इस प्रकार भारत में अजमेर में मजबूती से स्थापित हुआ और	1193 में कुतुब-उदीन ऐबक ने मुहम्मद गोरी द्वारा एक और आक्रमण के लिए जमीन तैयार की। यह आक्रमण गढ़वाल शासक जयचंद्र के खिलाफ निर्देशित किया गया था। मुहम्मद ने जयचंद्र की सेनाओं को पराजित किया। चंदावर की लड़ाई के बाद कन्नौज पर मुसलमानों अधिकार हो गया था। तराइन और चंदावर की लड़ाइयों ने भारत में तुर्की शासन की स्थापना में योगदान दिया।

भारत के इतिहास में एक नया युग आरंभ हुआ।	

Q.4) दिल्ली सल्तनत के विभागों के निम्नलिखित युग्मों पर इसके प्राथमिक कार्यों के साथ विचार करें:

1. दीवान-ए- रियासत - धार्मिक मामलों का विभाग।
2. दीवान-ए- कोही - कृषि विभाग।
3. दीवान-ए- बंदगान - दासों का विभाग।

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.4) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
अलाउद्दीन खिलजी ने दीवान-ए-रियासत को नायब-ए-रियासत नामक एक अधिकारी के अधीन अलग विभाग बनाया। दीवान-ए-रियासत का प्राथमिक कार्य सुल्तान द्वारा जारी आर्थिक नियमों को लागू करना तथा बाजारों और कीमतों को नियंत्रित करना था। हर व्यापारी बाजार विभाग के तहत पंजीकृत था। दीवान-ए-रिसालत धार्मिक मामलों का विभाग था।	मुहम्मद बिन तुगलक ने कृषि विभाग, दीवान-ए- कोही की स्थापना की। उन्होंने एक योजना आरंभ की जिसके तहत किसानों को बीज खरीदने और खेती का विस्तार करने के लिए तकावी ऋण (खेती के लिए ऋण) दिया गया।	फिरोज शाह तुगलक ने शाही कारखाने विकसित किए, जिनमें हजारों दासों को काम पर रखा गया था, जिन्हें दीवान-ए-बंदगान (दासों का विभाग) के तहत आयोजित किया गया था। प्रभारी -अधिकारी वक़ील-ए-दर थे। अनाथों और विधवाओं की देखभाल के लिए दीवान-ए-खैरात (धर्मार्थ विभाग) नामक एक नया विभाग बनाया गया था।

Q.5) निम्नलिखित में से किस दिल्ली सुल्तान ने खलीफा से मंसूर (*mansur*), अनुमति पत्र प्राप्त किया था?

1. इल्तुतमिश
2. बलबन
3. अलाउद्दीन खिलजी
4. मुहम्मद बिन तुगलक
5. फिरोज शाह तुगलक

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 4 और 5

d) केवल 3, 4 और 5

Q.5) Solution (c)

- दिल्ली सल्तनत अपने धर्म इस्लाम के साथ एक इस्लामिक राज्य था। सुल्तानों ने स्वयं को खलीफा का प्रतिनिधि माना। उन्होंने खुतबों या प्रार्थना में खलीफा का नाम शामिल किया तथा इसे अपने सिक्कों पर अंकित किया।
- हालाँकि बलबन ने स्वयं को भगवान की छाया कहा, लेकिन उसने खुतबा और सिक्कों में खलीफा का नाम शामिल करने का अभ्यास जारी रखा। इल्तुतमिश, मुहम्मद बिन तुगलक और फिरोज तुगलक ने खलीफा से मंसूर या अनुमति पत्र प्राप्त किया था।
- इल्तुतमिश एक महान राजनेता था। उसे 1229 में अब्बासिद खलीफ़ा से मान्यता प्राप्त पत्र, मंसूर मिला था, जिसके द्वारा वह भारत का वैधानिक संप्रभु शासक बन गया था।

Q.6) अमीर ख़ुसरो के योगदान के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उन्होंने हिंदू और ईरानी प्रणालियों के सम्मिश्रण द्वारा क़व्वाली (*qawwalis*) के रूप में जाने जाने वाले हल्के संगीत की एक नई शैली विकसित की।
2. उन्होंने फ़ारसी कविता की एक नई शैली का निर्माण किया जिसे सबक-ए-हिंद कहा जाता है।
3. उनका कार्य तुगलकनामा, ग़यासुद्दीन तुगलक के उदय से संबंधित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.6) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
अमीर ख़ुसरो (1252-1325) ने घोरा और सनम जैसे कई नए राग प्रस्तुत किए। उन्होंने हिंदू और ईरानी प्रणालियों के सम्मिश्रण द्वारा कव्वाली के रूप में जाने जाने वाले हल्के संगीत की एक नई शैली विकसित की। सितार के आविष्कार का श्रेय भी उन्हें ही दिया गया।	अमीर ख़ुसरो प्रसिद्ध फारसी लेखक थे और उन्होंने कई कविताएँ लिखी थीं। उन्होंने कई काव्य रूपों के साथ प्रयोग किया और फारसी कविता की एक नई शैली का निर्माण किया जिसे सबक-ए-हिंद या भारतीय शैली कहा जाता है।	उन्होंने कुछ हिंदी छंद भी लिखे। अमीर ख़ुसरो का खजाईन-उल-फ़ुतुह अलाउद्दीन के विजय के बारे में बात करता है। उनका प्रसिद्ध कार्य तुगलकनामा ग़यासुद्दीन तुगलक के उदय से संबंधित है।

Q.7) दिल्ली सल्तनत के दौरान सिक्कों की प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत में बलबन ने अरबी सिक्का और चांदी का टंका प्रस्तुत किया।
2. अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान सोने के सिक्के या दीनार लोकप्रिय हुए।

3. मुहम्मद बिन तुगलक ने सोने के सिक्कों का मुद्रण बंद कर दिया और सांकेतिक मुद्रा आरंभ की।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.7) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
सिक्के की प्रणाली भी दिल्ली सल्तनत के दौरान विकसित हुई थी। इल्तुतमिश ने अरबी सिक्के को भारत में प्रस्तुत किया और 175 ग्राम वजन का चांदी का टंका मध्यकालीन भारत में एक मानक सिक्का बन गया। एक चांदी का टंका खिलजी शासन के दौरान 48 जीतल और तुगलक शासन के दौरान 50 जीतल में विभाजित किया गया था। चाँदी का टंका आधुनिक रुपये का आधार बना।	दक्षिण भारतीय विजय के बाद अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में सोने के सिक्के या दीनार लोकप्रिय हुए। ताँबे के सिक्के संख्या में कम और अदिनांकित थे।	मुहम्मद बिन तुगलक ने न केवल सांकेतिक मुद्रा का प्रयोग किया था बल्कि कई प्रकार के सोने और चांदी के सिक्के भी जारी किए थे। उनका आठ अलग-अलग स्थानों पर मुद्रण किया गया था। उसके द्वारा कम से कम पच्चीस प्रकार के सोने के सिक्के जारी किए गए थे।

Q.8) सूफीवाद के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) सूफीवाद फारस में उत्पन्न इस्लाम के भीतर एक उदारवादी सुधार आंदोलन था।
b) सूफियों का मानना था कि मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा के समान है।
c) सूफीवाद में, एक पीर या गुरु के मार्गदर्शन को धारणा की भावना से भगवान का ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता था।
d) सूफ़ी प्रेम और भक्ति को मोक्ष प्राप्ति का एकमात्र साधन मानते हैं।

Q.8) Solution (c)

- सूफीवाद इस्लाम के भीतर एक उदार सुधार आंदोलन था। इसकी उत्पत्ति फारस में हुई और ग्यारहवीं शताब्दी तक भारत में फैल गया था। लाहौर के पहले सूफी संत शेख इस्माइल ने अपने विचारों का प्रचार आरंभ किया। भारत के सूफी संतों में सबसे प्रसिद्ध ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती थे, जो अजमेर में बस गए थे जो उनकी गतिविधियों का केंद्र बन गया था।
- सूफीवाद ने प्रेम और भक्ति के तत्वों को भगवान की प्राप्ति के प्रभावी साधन के रूप में बल दिया। ईश्वर के प्रेम का अर्थ मानवता का प्रेम था और इसलिए सूफियों का मानना था कि मानवता की सेवा ईश्वर की सेवा के लिए समान है।

- सूफीवाद में, आत्म अनुशासन को धारणा की भावना से भगवान का ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक आवश्यक शर्त माना जाता था। उनके अनुसार किसी के पास एक पीर या गुरु का मार्गदर्शन होना चाहिए, जिसके बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। सूफीवाद ने भी अपने अनुयायियों में सहिष्णुता की भावना पैदा की। इसलिए विकल्प (c) गलत है।
- जबकि रूढ़िवादी मुसलमान बाह्य आचरण पर जोर देते हैं, सूफी लोग आंतरिक शुद्धता पर जोर देते हैं। रूढ़िवादी संस्कारों के अंध पालन में विश्वास करते हैं, जबकि सूफी प्रेम और भक्ति को मोक्ष प्राप्त करने का एकमात्र साधन मानते हैं।
- सूफीवाद की इन उदार और गैर-कट्टरवादी विशेषताओं का मध्यकालीन भक्ति संतों पर गहरा प्रभाव था। जब भारत में सूफी आंदोलन लोकप्रिय हो रहा था, उसी समय भक्ति पंथ हिंदुओं के मध्य दृढ़ता प्राप्त कर रहा था। प्रेम और निस्वार्थ भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित दो समानांतर आंदोलनों ने दोनों समुदायों को एक साथ लाने में बहुत योगदान दिया। हालांकि, यह प्रवृत्ति लंबे समय तक नहीं चली।

Q.9) गुरु नानक के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वह निर्गुण भक्ति संत और समाज सुधारक थे।
2. उन्होंने सिख धर्म के पवित्र धार्मिक ग्रंथ आदि ग्रन्थ का संकलन किया।
3. वह मुगल सम्राट बाबर के समकालीन थे।
4. उन्होंने एक मध्य मार्ग की वकालत की जिसमें आध्यात्मिक जीवन को गृहस्थ के कर्तव्यों के साथ जोड़ा जा सके।

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) केवल 1, 3 और 4

Q.9) Solution (d)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	असत्य	सत्य	सत्य
गुरु नानक देव (1469 – 1539 ई.) सिख धर्म के पहले सिख गुरु और संस्थापक थे। वह निर्गुण भक्ति संत और समाज सुधारक थे। उनका जन्म 1469 में तलवंडी (जिसका नाम बाद में ननकाना साहिब रखा गया था) लाहौर के पास हुआ था। वे जाति के सभी विभेदों के साथ-साथ धार्मिक प्रतिद्वंद्विता और कर्मकांडों	उन्होंने लंगर (एक सामुदायिक रसोई) की अवधारणा प्रस्तुत की। आदि ग्रंथ यानी गुरु ग्रंथ साहिब गुरु अर्जुन देव (5 वें सिख गुरु) द्वारा संकलित सिख धर्म की पवित्र धार्मिक पुस्तक है।	गुरु नानक देव (1469 – 1539 ई.) मुगल सम्राट बाबर (1526 - 1530) के समकालीन थे।	उन्होंने चरित्र की पवित्रता और आचरण पर बहुत जोर दिया, मार्गदर्शन के लिए भगवान, और गुरु की आवश्यकता को पहली शर्त माना। कबीर की तरह, उन्होंने एक मध्य मार्ग की वकालत की जिसमें आध्यात्मिक जीवन को गृहस्थ के कर्तव्यों के साथ जोड़ा जा सकता है। मुक्ति का उनका विचार जड़ता आनंद की स्थिति का नहीं

के भी विरोधी थे, तथा उन्होंने ईश्वर की एकता का प्रचार किया और औपचारिकता और कर्मकांड की निंदा की।			था, बल्कि सामाजिक प्रतिबद्धता की एक मजबूत भावना के साथ सक्रिय जीवन की खोज था।

Q.10) इबादत खाना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह अकबर द्वारा धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा करने के लिए स्थापित किया गया था।
2. इसे मुस्लिमों, हिंदुओं, ईसाइयों और पारसियों के लिए खोला गया था।
3. औरंगज़ेब के शासनकाल के दौरान इबादत ख़ाना में वाद-विवाद बंद कर दिया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.10) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
1575 में, अकबर ने फतेहपुर सीकरी में इबादत खाना नामक प्रार्थना का एक हॉल बनाया। उन्होंने धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर बहस करने के लिए केवल चयनित विद्वानों और धर्मशास्त्रियों को बुलाया। 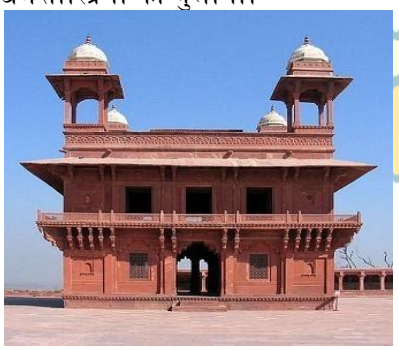	प्रारंभ में केवल मुस्लिम मौलवियों को बहस के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन उनके द्वारा बनाई गई अव्यवस्था ने बादशाह अकबर को अपमानित किया। बाद में उन्होंने इसे हिंदुओं से संबंधित विभिन्न संप्रदायों, ईसाइयों और पारसियों के लिए खोल दिया।	लेकिन सभी धर्मों के विद्वानों द्वारा बनाई गई अव्यवस्था के कारण अकबर ने सोचा कि बहस से विभिन्न धर्मों के बीच बेहतर समझ पैदा नहीं हुई है, लेकिन महान कटुता के रूप में, प्रत्येक धर्म के प्रतिनिधियों ने दूसरों को बदनाम किया है तथा अपने धर्म को दूसरों से बेहतर साबित करने की कोशिश की है। इसलिए, 1582 में, अकबर ने इबादत खाना में वाद-विवाद बंद कर दिया था।

Q.11) निम्नलिखित में से किसने भागवत गीता और उपनिषदों का फारसी भाषा में अनुवाद किया था?

a) अबुल फैजी
b) अब्दुल हमीद लाहौरी

c) दारा शिकोह
d) इनायत खान

Q.11) Solution (c)

- दारा शिकोह, मुगल सम्राट शाहजहाँ का सबसे बड़ा पुत्र था, जिसने 1642 में, दारा शिकोह को औपचारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी की पुष्टि की, उसे शहजादा-ए-बुलंद इकबाल की उपाधि प्रदान की।
- वह अपने भाई औरंगजेब के खिलाफ उत्तराधिकार का युद्ध हारने के बाद मारा गया था।
- उन्होंने 1657 में भगवद् गीता के साथ-साथ उपनिषदों का अपने मूल संस्कृत से फारसी में अनुवाद किया ताकि मुस्लिम विद्वानों द्वारा उनका अध्ययन किया जा सके।
- फारसी भाषा में महाभारत का अनुवाद अबुल फैजी की देखरेख में किया गया था।
- अब्दुल हमीद लाहौरी, पादशाह नामा के लेखक और इनायत खान ने शाहजहाँ नामा लिखा था।

Q.12) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

मुग़ल प्रशासन के अंतर्गत पद	प्राथमिक कार्य / भूमिका
1. मुतसद्दी (*Mutasaddi*)	बंदरगाह का गवर्नर
2. शिकदार (*Shiqdar*)	सरकार इकाई में कार्यकारी अधिकारी
3. मुहतसिब (*Muhtasibs*)	लोगों के आचरण पर नजर रखना

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 2

Q.12) Solution (b)

Suba (province) ⟶ *Subedar* (Governor)

↓

Sarkar (District) ⟶ *Faujdar* (Law and order) and *Amalguzar* (Assessment and collection of the land revenue)

↓

Parganas (sub- districts) ⟶ *Shiqdar* (Executive officer).

↓

Village ⟶ *Muqaddam* (village head man)

- फौजदार का प्राथमिक कर्तव्य कानून और व्यवस्था बनाए रखना तथा क्षेत्रों के निवासियों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा करना था। जब भी बल की आवश्यकता होती थी, वह राजस्व के समय पर संग्रह में सहायता करता था।
- अमालगुजार या आमिल राजस्व संग्रहकर्ता थे। उनका कर्तव्य राजस्व संग्रह का आकलन और पर्यवेक्षण करना था।

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
बंदरगाह प्रशासन प्रांतीय प्राधिकरण से स्वतंत्र था। बंदरगाह के गवर्नर को मुतसद्दी कहा जाता था जो सीधे सम्राट द्वारा नियुक्त किया जाता था। मुतसद्दी ने माल पर कर एकत्र किया और एक सीमा शुल्क गृह बनाए रखा। उन्होंने बंदरगाह पर टकसाल गृह की भी देखरेख की।	परगना के स्तर पर, शिक़्दार कार्यकारी अधिकारी थे। उन्होंने राजस्व संग्रह के कार्य में आमिल की सहायता की थी। कानूनगो ने परगना में जमीन के सभी रिकॉर्ड रखे थे। कोतवाल मुख्य रूप से शाही सरकार द्वारा कस्बों में नियुक्त किए जाते थे और कानून व्यवस्था के प्रभारी थे।	नैतिकता के नियमों के सामान्य पालन को सुनिश्चित करने के लिए अकबर द्वारा मुहतासिब (सार्वजनिक नैतिकता के रक्षक) भी नियुक्त किए गए थे।

Q.13) भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, 'हम्ज़ानामा' का संबंध किससे है

a) मुगल प्रशासन का वर्णन।
b) लघु चित्रों का संग्रह।
c) हुमायूँ की आत्मकथा।
d) मुगल राजाओं द्वारा जारी शाही आदेश।

Q.13) Solution (b)

- हम्ज़ानामा 1200 लघु चित्रों का एक संग्रह है तथा तीसरे मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्राथमिक महत्वपूर्ण कार्यों में से एक था।
- यह पैगंबर मोहम्मद के चाचा अमीर हम्ज़ा के कारनामों की कहानी कहता है। इन्हें कागज के बजाय सूती कपड़े पर चित्रित किया गया था। इस लघु चित्रों में यह देख सकते हैं कि वास्तुकला इंडो-फ़ारसी है, पेड़ के प्रकार मुख्य रूप से दक्कनी चित्रकला से प्राप्त होते हैं और महिला प्रकार आरंभिक राजस्थानी चित्रों से अनुकूलित होते हैं, महिलाएं चौकोर किनारे वाली स्कर्ट और पारदर्शी मुस्लिम घूंघट पहनती हैं। पुरुषों द्वारा पहने जाने वाले टर्बन्स छोटे और तंग होते हैं, जो अकबर काल के विशिष्ट हैं।
- मुगल शैली आगे चलकर यूरोपीय चित्रों से प्रभावित हुई, जो मुगल दरबार में आई, और कुछ पश्चिमी तकनीक जैसे छायांकन और परिप्रेक्ष्य को समाहित किया। उनका उत्पादन अकबर के चित्रालय के लिए एक बहुत बड़ा उपक्रम था, जिसमें अब्द अल-समद और मीर सैय्यद अली सहित कई प्रख्यात फारसी कलाकार कार्यरत थे।

Q.14) इतिमाद उद दौला के मकबरे के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका निर्माण आगरा में मुगल सम्राट शाहजहाँ द्वारा किया गया था।
2. यह भारत में पहले मकबरे के रूप में प्रसिद्द है, जो पूरी तरह से सफेद संगमरमर से बनाया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.14) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
इतिमाद उद दौला के मकबरे का निर्माण मुगल रानी नूरजहाँ ने 1622 और 1628 के बीच करवाया था, जहाँ उसके पिता इतिमाद उद दौला को दफनाया गया था। इतिमद उद दौला या मिर्जा गियास-उद-दीन या गियास बेग मुगल रानी और जहांगीर की पत्नी नूरजहाँ के पिता थे।	यह भारत में पूरी तरह से सफेद संगमरमर से निर्मित होने वाला संपूर्णता में पहला मकबरा होने के लिए प्रसिद्ध है। यह इस्लामी वास्तुकला का एक आदर्श उदाहरण है; मकबरे में धनुषाकार प्रवेश द्वार, अष्टकोणीय आकार के मीनारें, अति सुंदर नक्काशीदार पुष्प पैटर्न का उपयोग, जटिल संगमरमर-स्क्रीन का काम और जड़ने का कार्य हुआ है। 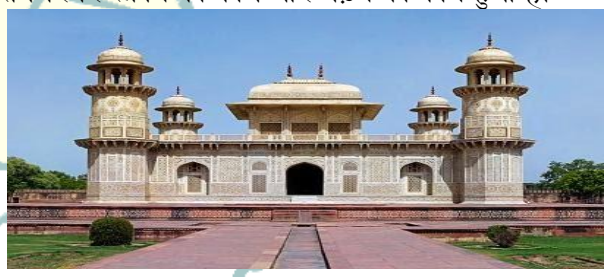

Q.15) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मुगल चित्रकला जहाँगीर के शासनकाल के दौरान अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गयी थी।
2. किले के निर्माण का चरमोत्कर्ष अकबर के शासनकाल के दौरान पहुंचा था।
3. शाहजहाँ के शासनकाल में मस्जिद-निर्माण अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.15) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	सत्य

मुगल चित्रकला जहाँगीर के शासनकाल के दौरान अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँची। उन्होंने अबुल हसन, बिशन दास, मधु, अनंत, मनोहर, गोवर्धन और उस्ताद मंसूर जैसे कई चित्रकारों को नियुक्त किया।	किले-निर्माण का चरमोत्कर्ष शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान पहुँचा। दिल्ली का प्रसिद्ध लाल किला अपने रंग महल, दीवान-ए-आम और दीवान-ए-ख़ास के साथ था। उन्होंने दिल्ली में जामा मस्जिद, लाहौर में शालीमार बाग और शाहजहानाबाद शहर का निर्माण भी किया। मयूर सिंहासन के निर्माण भी करवाया, जो अमीर ख़ुसरो के दोहे अंकित पर आधारित हैं: "यदि धरती पर स्वर्ग है, तो वह यहाँ है"।	शाहजहाँ के शासनकाल में मस्जिद-निर्माण अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया था। उन्होंने आगरा में ताजमहल और मोती मस्जिद (पूरी तरह से सफेद संगमरमर में निर्मित), शीश महल और आगरा में मुसम्मन बुर्ज (जहाँ उन्होंने अपने अंतिम वर्ष कैद में बिताए थे) का निर्माण किया, जबकि दिल्ली में जामा मस्जिद लाल पत्थर से बनी थी।

Q.16) विजयनगर साम्राज्य के कृष्ण देव राय के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उनके दरबार में नवरत्नों के रूप में जाने जाने वाले साहित्यकारों में नौ प्रतिष्ठित साहित्यकार थे।
2. वे स्वयं एक संस्कृत कार्य, आमुक्तमाल्यद तथा एक तेलुगु कार्य, जांबवती कल्याणम के लेखक थे।
3. बड़ी संख्या में रायगोपुरम के निर्माण के अलावा, उन्होंने एक नया शहर भी बनाया जिसका नाम नागालपुरम था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.16) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
कृष्ण देव राय (1509 - 1530), हालांकि एक वैष्णव थे, उन्होंने सभी धर्मों का सम्मान किया। वह साहित्य और कला के महान संरक्षक थे तथा उन्हें आंध्र भोज के नाम से जाना जाता था। अष्टदिग्गजों के नाम से प्रसिद्ध आठ विद्वान उनके शाही दरबार में थे। नौ नवरत्न अकबर के दरबार में थे और कृष्ण देव राय के दरबार में नहीं।	अल्लासानी पेद्दन्ना सबसे महान थे और उन्हें आंध्रकविता पितामह कहा जाता था। उनके महत्वपूर्ण कार्यों में मनुचरितम और हरिकथासरम शामिल हैं। पिंगल सुरन्ना और तेनाली रामकृष्ण अन्य महत्वपूर्ण विद्वान थे। कृष्णदेव राय ने स्वयं एक तेलुगु कार्य, आमुक्त माल्यद तथा संस्कृत रचनाएँ, जाम्बवती कल्याणम और उषापरिनयम लिखी हैं।	उन्होंने दक्षिण भारत के अधिकांश मंदिरों की मरम्मत करवाई। उन्होंने विजयनगर में प्रसिद्ध विट्ठलस्वामी और हजारा रामास्वामी मंदिरों का भी निर्माण करवाया। उन्होंने अपनी रानी नागलदेवी की याद में एक नया शहर भी बनाया, जिसका नाम नागालपुरम था। इसके अलावा, उन्होंने बड़ी संख्या में रायगोपुरम का निर्माण भी करवाया।

Q.17) विजयनगर साम्राज्य के अंतर्गत प्रशासन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रांतीय गवर्नरों के पास स्वायत्तता का एक बड़ा अधिकार था।
2. भूमि राजस्व आम तौर पर उपज का एक-छठां भाग तय किया गया था।
3. विजयनगर शासकों के अधीन, ग्राम स्वशासन की चोल परंपराओं को काफी कमजोर कर दिया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.17) Solution (d)

- विजयनगर साम्राज्य के तहत एक सुव्यवस्थित प्रशासन था। राय (राजा) को कार्यकारी, न्यायिक और विधायी मामलों में पूर्ण अधिकार प्राप्त था। वह अपील का सर्वोच्च न्यायालय था। न्याय के मामले में, अंग-भंग और हाथियों से रौदने जैसे कठोर दंड दिए गए थे। राजा को अपने दैनिक प्रशासन में मंत्रियों की एक परिषद द्वारा सहायता प्रदान की गई थी।
- राज्य को विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों में विभाजित किया गया था, जिन्हें मंडलम, नाडु, स्थल और अंत में ग्रामों में विभाजित किया गया था।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
प्रांतों के गवर्नर पहले शाही राजकुमार होते थे। बाद में, शासक परिवारों और कुलीनों के जागीर से संबंधित व्यक्तियों को भी गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। प्रांतीय गवर्नरों के पास स्वायत्तता का एक बड़ा अधिकार था क्योंकि उन्होंने अपने दरबारों में अपने स्वयं के अधिकारियों को नियुक्त किया, और अपनी सेनाओं को बनाए रखा। कभी-कभी, उन्होंने अपने स्वयं के सिक्के भी जारी किए (हालांकि छोटे मूल्यवर्ग में)।	भूमि राजस्व, श्रद्धांजलि तथा जागीरदार और सामंती प्रमुखों से उपहार के अलावा, बंदरगाहों पर एकत्र किए गए सीमा शुल्क, विभिन्न व्यवसायों पर कर, सरकार की आय के अन्य स्रोत थे। भूमि राजस्व आम तौर पर उपज का एक छठा भाग तय किया गया था।	मंडलम के गवर्नर को मंडलेश्वर या नायक कहा जाता था। विजयनगर शासकों ने प्रशासन में स्थानीय अधिकारियों को पूर्ण अधिकार दिए। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विजयनगर शासकों के अधीन ग्राम स्व-शासन की चोल परंपराएँ काफी कमजोर हो गयी थीं। उनकी स्वतंत्रता और पहल पर अंकुश लगाने के लिए वंशानुगत नायक प्रथा में वृद्धि हुई थी।

Q.18) पेशवा बाजी राव प्रथम के बारे में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) वह शिवाजी के बाद गुरिल्ला रणनीति के सबसे बड़े प्रतिपादक थे।
b) उन्होंने मराठा प्रमुखों के बीच संघ की व्यवस्था (system of confederacy) आरंभ की।
c) उनके शासनकाल के दौरान, छत्रपति से सर्वोच्च शक्ति पेशवा को हस्तांतरित की गई थी।
d) उन्होंने पुर्तगालियों से साल्सेट और बसीन को छीन लिया था।

Q.18) Solution (c)

- बाजी राव प्रथम (1720–1740 ई.) बालाजी विश्वनाथ के सबसे बड़े पुत्र थे, जिन्होंने उन्हें पेशवा के रूप में सफलता दिलाई। वह शिवाजी के बाद गुरिल्ला रणनीति के सबसे बड़े प्रतिपादक थे। अपने जीवनकाल के दौरान, उन्होंने कभी भी एक लड़ाई नहीं हारी और मराठा शक्ति उनके अधीन अपने चरम पर पहुंच गई। उन्होंने उत्तर-पूर्व विस्तार की नीति तैयार की।
- उन्होंने आम दुश्मन, मुगलों के खिलाफ हिंदू प्रमुखों के समर्थन को सुरक्षित करने के लिए हिंदू-पादशाही (हिंदू साम्राज्य) के विचार का प्रचार किया और लोकप्रिय बनाया। दक्कन में उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी निज़ाम-उल-मुल्क थे, जिन्होंने बाजी राव और शाहू के खिलाफ कोल्हापुर के राजा के साथ लगातार साजिश रची। हालाँकि, बाजी राव ने निज़ाम को दोनों ही मौकों पर हराया, जब वे पालखेड़ और भोपाल में लड़े, तथा उन्हें दक्खन के छह प्रांतों के चौथ और सरदेशमुखी देने के लिए मजबूर किया।
- 1722 ई. में, उन्होंने साल्सेट और बसीन को पुर्तगालियों से छीन लिया। उन्होंने 1728 ई. में प्रशासनिक राजधानी को सतारा से पुणे स्थानांतरित कर दिया।
- उन्होंने मराठा प्रमुखों के बीच संघ की व्यवस्था शुरू की। इस प्रणाली के तहत, प्रत्येक मराठा प्रमुख को एक क्षेत्र सौंपा गया था जिसे स्वायत्त रूप से प्रशासित किया जा सकता था। परिणामस्वरूप, कई मराठा परिवार प्रमुख हो गए और भारत के विभिन्न हिस्सों में अपना अधिकार स्थापित कर लिया। वे बड़ौदा में गायकवाड़, नागपुर में भोंसले, इंदौर में होल्कर, ग्वालियर में सिंधिया और पूना में पेशवा थे।
- बालाजी बाजी राव प्रथम / नाना साहिब प्रथम (1740-61 ई.) के शासनकाल के दौरान, राजा राम ने संगोला समझौते (जिसे 1750 की संवैधानिक क्रांति के रूप में भी जाना जाता है) को अंजाम दिया, जिसे सर्वोच्च शक्ति छत्रपति को पेशवा में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसलिए विकल्प (c) गलत है।

Q.19) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

उत्तराधिकारी राज्य	संस्थापक
1. हैदराबाद	चिन किलिच खान
2. अवध	सआदतुल्ला खान
3. बंगाल	मुर्शिद कुली खान

ऊपर दिए गए युग्मों में से, कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.19) Solution (a)

- मुगल साम्राज्य के पतन के बाद, 18 वीं शताब्दी में उत्तराधिकारी राज्यों का उदय हुआ। मुगल प्रांतों के गवर्नरों द्वारा स्वायत्तता के दावे के परिणामस्वरूप वे मुगल साम्राज्य से अलग हो गए। ये थे हैदराबाद, बंगाल और अवध।

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
निज़ाम-उल-मुल्क आसफ़ जाह (1724-48): हैदराबाद राज्य की स्थापना 1724 में तुरानी समूह के एक शक्तिशाली कुलीन, क़मर-उद-दीन-सिद्दीकी ने की थी। वह अपनी उपाधि चिन किलिच खान (सम्राट औरंगजेब द्वारा सम्मानित), निजाम-उल-मुल्क (फर्रुखसियर द्वारा सम्मानित) और आसफ जाह (मोहम्मद शाह द्वारा सम्मानित) द्वारा भी जाना जाता है।	मुर्शिद कुली खान (1717-27): बंगाल के स्वतंत्र राज्य की स्थापना मुर्शिद कुली खान ने की थी, जिसे मोहम्मद हादी के नाम से भी जाना जाता है। बंगाल के साथ मुर्शिद कुली का संबंध 1700 में आरंभ हुआ, जब औरंगज़ेब ने बंगाल को दीवान के रूप में भेजा, जहाँ वे सफल राजस्व प्रशासक साबित हुए।	सआदत खान (1722-39) अवध के स्वतंत्र राज्य के संस्थापक थे। 1722 में उन्हें मुगल सम्राट द्वारा अवध का गवर्नर नियुक्त किया गया था। सूबे में विद्रोह करने वाले ज़मींदारों को वश में करने का कठिन काम उन्हें दिया गया था। उन्होंने भूमि कर का भुगतान करने से इनकार कर दिया था और अपने किलों और सेनाओं के साथ स्वायत्त प्रमुखों की तरह व्यवहार किया था। वह एक वर्ष के भीतर इस कार्य में सफल रहा और प्रशंसा में, सम्राट मोहम्मद शाह ने उसे बुरहान-उल-मुल्क की उपाधि से सम्मानित किया। सादतुल्ला खान कर्नाटक का नवाब था।

Q.20) ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा प्राप्त निम्नलिखित में से कौन सी विशेषाधिकार कंपनी के लिए मैग्ना कार्टा के रूप में माना जाता है?

a) मुगल सम्राट जहांगीर और चंद्रगिरी के शासक द्वारा कारखानों को स्थापित करने की अनुमति।
b) गोलकुंडा के सुल्तान द्वारा कंपनी को जारी किया गया 'स्वर्णिम फरमान'
c) सूबेदार ने सभी शुल्कों के स्थान पर, 3,000 रुपये के वार्षिक भुगतान के बदले बंगाल में व्यापार करने की अनुमति दी।
d) मुगल बादशाह फर्रुखसियर द्वारा जारी किए गए तीन फरमान।

Q.20) Solution (d)

- 1715 में, मुग़ल सम्राट फ़र्रुखसियर के दरबार में जॉन सरमन के नेतृत्व में एक अंग्रेजी मिशन ने तीन प्रसिद्ध फरमान हासिल किए, जिससे कंपनी को बंगाल, गुजरात और हैदराबाद में कई मूल्यवान विशेषाधिकार मिले। इस प्रकार प्राप्त फरमानों को कंपनी का मैग्ना कार्टा माना जाता था।
- उनकी महत्वपूर्ण शर्तें थीं:
    - बंगाल में, कंपनी के आयात और निर्यात को अतिरिक्त सीमा शुल्क से छूट दी गई थी, जिसमें केवल भुगतान किए गए 3,000 रुपये के वार्षिक भुगतान को करना था।

- कंपनी को इस तरह के माल के परिवहन के लिए दस्तक (पास) जारी करने की अनुमति दी गई थी।
- कंपनी को कलकत्ता के आसपास अधिक भूमि किराए पर लेने की अनुमति दी गई थी।
- हैदराबाद में, कंपनी ने व्यापार में शुल्कों से स्वतंत्रता के अपने मौजूदा विशेषाधिकार को बरकरार रखा और केवल मद्रास के लिए प्रचलित किराए का भुगतान करना पड़ा।
- सूरत में, 10,000 रुपये के वार्षिक भुगतान के लिए, ईस्ट इंडिया कंपनी को सभी शुल्कों के भुगतान से छूट दी गई थी।
- यह फरमान था कि मुम्बई साम्राज्य में कंपनी के सिक्कों का चलन पूरे मुगल साम्राज्य में लागू था।

Q.21) उत्तर से आरंभ होकर दक्षिण तक, कुरील द्वीप के चार दक्षिणी द्वीपों को व्यवस्थित करें:

1. हबोमई द्वीप (Habomai Island)
2. शिकोतन द्वीप (Shikotan Island)
3. एटोरोफू द्वीप (Etorofu Island)
4. कुनाशिरी द्वीप (Kunashiri Island)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 - 2 - 3 - 4
b) 3 - 4 - 2 - 1
c) 3 - 2 - 1 - 4
d) 4 - 1 - 3 - 2

Q.21) Solution (b)

- कुरील श्रृंखला के चार सबसे दक्षिणी द्वीप - एटोरोफू, कुनाशिरी, शिकोटान और हबोमई, द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के बाद से मास्को और टोक्यो के बीच विवादित रहे हैं।
- यह उत्तरी प्रशांत महासागर से ओखोटस्क सागर को अलग करते हुए जापान के होक्काइडो से लेकर कामचटका तक लगभग 1,300 किमी (810 मील) उत्तर पूर्व में फैला है।
- सभी द्वीप रूसी प्रशासन के अधीन हैं।
- जापान चार सबसे दक्षिणी द्वीपों का दावा करता है, जिसमें सबसे बड़े दो (एटोरोफू और कुनाशीरी) और अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में शिकोतन और हाबोमई द्वीप शामिल है, जिसके कारण कुरील द्वीप विवाद चल रहा है।
- विवादित द्वीपों को जापान में देश के "उत्तरी क्षेत्र" के रूप में जाना जाता है

Q.22) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. एक सरकारी प्रतिभूति (G-Sec), केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा जारी किया जाने वाला एक व्यापार योग्य साधन है।
2. केंद्र सरकार और राज्य सरकारें ट्रेजरी बिल और बॉन्ड या दिनांकित प्रतिभूतियां दोनों जारी करती हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (a)

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने एक अलग चैनल की शुरुआत की है, जिसका नाम "पूर्ण सुगम्य मार्ग (Fully Accessible Route- FAR)" है, जो गैर-निवासियों को भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों में निवेश करने में सक्षम बनाता है।
- 'निर्दिष्ट प्रतिभूतियों' का अर्थ होगा कि सरकारी प्रतिभूतियों को समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा FAR मार्ग के तहत निवेश के लिए अधिसूचित किया जाना चाहिए।
- RBI ने कहा है कि 5-वर्ष, 10-वर्ष और 30-वर्ष के सरकारी प्रतिभूतियों (G-secs) के सभी नए निर्गमन निर्दिष्ट प्रतिभूतियों के रूप में निवेश के लिए पात्र होंगे।
- अनिवासी निवेशक किसी भी निवेश सीमा के अधीन हुए बिना निर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश कर सकते हैं।

योजना के लाभ:

- इससे सरकारी बॉन्ड में स्थिर विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा।
- वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों का हिस्सा बनने से भारतीय सरकारी-प्रतिभूतियों को प्रमुख वैश्विक निवेशकों से बड़े फंड को आकर्षित करने में मदद मिलेगी
- इससे गैर-निवासियों को भारत सरकार के प्रतिभूति बाजारों तक पहुंच आसान हो जाएगी।
- सरकारी-प्रतिभूतियां केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा जारी किया जाने वाला एक व्यापर योग्य उपकरण है।
- यह सरकार के ऋण दायित्व को स्वीकार करता है।
- ऐसी प्रतिभूतियाँ अल्पकालिक (आमतौर पर ट्रेजरी बिल कहा जाता है, एक वर्ष से कम की मूल परिपक्वता के साथ- वर्तमान में तीन कार्यकालों में जारी की जाती है, अर्थात् 91 दिन, 182 दिन और 364 दिन) या दीर्घकालिक (आमतौर पर मूल रूप से सरकारी बॉन्ड या दिनांकित प्रतिभूतियां कहा जाता है) एक वर्ष या उससे अधिक की परिपक्वता) होती हैं।
- भारत में, केंद्र सरकार ट्रेजरी बिल और बॉन्ड या दिनांकित प्रतिभूतियों दोनों को जारी करती है जबकि राज्य सरकारें केवल बॉन्ड या दिनांकित प्रतिभूतियां जारी करती हैं, जिन्हें राज्य विकास ऋण ((SDLs) कहा जाता है।

Q.23) व्हेल शार्क (whale shark) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. व्हेल शार्क संसार की सबसे बड़ी मछली और शार्क हैं।
2. मानव फिंगरप्रिंट की तरह, प्रत्येक व्हेल शार्क का अपना अलग स्पॉट पैटर्न (spot pattern) होता है, कोई भी दो बिल्कुल समान नहीं होती हैं।
3. व्हेल शार्क इंसानों पर हमला करने के लिए कुख्यात हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3

b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.23) Solution (b)

- व्हेल शार्क संसार की सबसे बड़ी मछली और शार्क है तथा सुंदर और हानिरहित है। व्हेल शार्क छोटे प्लैंकटन और मछली के अंडे खाती हैं, वे तब फ़ीड को फ़िल्टर करती हैं, जब वे अपने विशालकाय मुंह को खोलकर धीरे-धीरे तैरती हैं। वे फिल्टर फीडिंग शार्क (filter feeding sharks) की केवल तीन प्रजातियों में से एक हैं।
- व्हेल शार्क विनम्र मछली (docile fish) हैं और कभी-कभी तैराकों को सवारी करने की अनुमति देती हैं।
- मानव फिंगरप्रिंटों की तरह, व्हेल शार्क के पास धब्बों का एक अनूठा पैटर्न होता है जो व्यक्तिगत शार्क की पहचान करने की अनुमति देता है।
- व्हेल शार्क को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुत महत्व दिया जाता है। उनके मांस, पंख और तेल की मांग प्रजातियों के लिए खतरा बनी हुई है।
- व्हेल शार्क गर्म क्षेत्रों में मिलती है और यह पूरी दुनिया में उष्णकटिबंधीय पानी में पाई जाती है।
- अधिकांश व्हेल शार्क - 75 प्रतिशत - भारतीय और प्रशांत महासागरों में पाई जाती हैं; अटलांटिक में 25 प्रतिशत। आईयूसीएन के अनुसार, व्हेल शार्क को लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

Q.24) निम्नलिखित में से कौन सा देश दक्षिण एशिया वन्यजीव प्रवर्तन नेटवर्क (SAWEN) के क्षेत्रीय नेटवर्क का हिस्सा नहीं है?

1. अफ़ग़ानिस्तान
2. मालदीव
3. म्यांमार
4. पाकिस्तान
5. थाईलैंड

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 3 और 5
c) केवल 1, 2, 3 और 5
d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.24) Solution (b)

- दक्षिण एशिया वन्यजीव प्रवर्तन नेटवर्क (SAWEN), एक क्षेत्रीय नेटवर्क है जिसमें दक्षिण एशिया के आठ देशों में शामिल है: अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका।
- SAWEN दक्षिण एशियाई देशों का क्षेत्रीय अंतर-सरकारी वन्यजीव कानून प्रवर्तन सहायता निकाय है। इसे जनवरी, 2011 में पारो, भूटान में लॉन्च किया गया था। इसका सचिवालय काठमांडू, नेपाल में है।
- इसका उद्देश्य क्षेत्र में अवैध व्यापार का मुकाबला करने के लिए सामान्य लक्ष्यों और दृष्टिकोणों का प्रयास करके वन्यजीव अपराध का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत क्षेत्रीय अंतर-सरकारी निकाय के रूप में काम करना है।

Q.25) औद्योगिक क्षेत्रों के लिए MoEFCC द्वारा विकसित प्रदूषण सूचकांक पर आधारित निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. 60 और उससे अधिक के प्रदूषण सूचकांक वाले औद्योगिक क्षेत्र को लाल श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है
2. पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र / संरक्षित क्षेत्र में उद्योगों की लाल श्रेणी को कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।
3. दूध और डेयरी उत्पाद जैसे उद्योग श्वेत श्रेणी में शामिल हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.25) Solution (a)

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने प्रदूषण सूचकांक के आधार पर औद्योगिक क्षेत्रों के वर्गीकरण का मापदंड विकसित किया है जो उत्सर्जन (वायु प्रदूषकों), अपशिष्टों (जल प्रदूषकों), उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट और उपभोग संसाधनों की क्रिया है।

निम्नलिखित चार श्रेणी हैं:

1. औद्योगिक क्षेत्र जिनका प्रदूषण सूचकांक 60 और उससे अधिक है - लाल श्रेणी
2. 41 से 59 के प्रदूषण सूचकांक स्कोर वाले औद्योगिक क्षेत्र - नारंगी श्रेणी
3. 21 से 40 के प्रदूषण सूचकांक स्कोर वाले औद्योगिक क्षेत्र - हरित श्रेणी
4. 0 - 20 तक के प्रदूषण सूचकांक स्कोर वाले औद्योगिक क्षेत्र - श्वेत श्रेणी

- पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र / संरक्षित क्षेत्र में लाल श्रेणी उद्योगों की कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।
- श्वेत श्रेणी के उद्योगों को पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।
- श्रेणीकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उद्योग पर्यावरण के उद्देश्यों के अनुरूप है।
- 'श्वेत' श्रेणी के अंतर्गत आने वाले उद्योगों में एलईडी और सीएफएल बल्ब असेंबली, सोलर फोटोवोल्टिक तकनीक का उपयोग करने वाली बिजली उत्पादन, पवन ऊर्जा पैदा करने वाली इकाइयाँ, 25 मेगावाट से कम की जल-विद्युत् इकाइयाँ, स्वचालित वैक्यूम बनाने की मशीन, शुष्क प्रक्रिया द्वारा कपास और ऊनी होज़री का उपयोग आदि शामिल हैं।
- एकीकृत ऑटोमोबाइल विनिर्माण, हवाई अड्डों और वाणिज्यिक हवाई पट्टियों, तथा दूध और डेयरी उत्पादों जैसे उद्योग 'लाल' श्रेणी में शामिल हैं।

प्रदूषण सूचकांक क्या है?

- प्रदूषण सूचकांक (PI) वायु प्रदूषण का कारण होने वाले 'उत्सर्जन' के स्तर को मापता है, 'अपशिष्टों' जो दूषित पानी, 'खतरनाक अपशिष्टों' जिसमें खतरनाक रसायन और 'संसाधनों का उपभोग' शामिल हैं, जो प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग करते हैं।

Q.26) 'PM CARES फंड' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. इस कोष में पूरी तरह से व्यक्तियों / संगठनों द्वारा स्वैच्छिक योगदान होता है तथा इसे कोई बजटीय सहायता नहीं मिलती है।
2. PM CARES फंड को दान कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) व्यय के रूप में गिने जाने योग्य नहीं है।
3. PM CARES फंड में दान को आयकर अधिनियम, 1961 के तहत 100% छूट के लिए 80G लाभ हेतु अर्हता प्राप्त है।
4. PM CARES फंड विदेशों में स्थित व्यक्तियों और संगठनों से दान और योगदान को स्वीकार नहीं कर सकता है।

सही कथनों का चयन करें

a) 1 और 2
b) 1 और 3
c) 3 और 4
d) 2 और 4

Q.26) Solution (c)

प्रधान मंत्री, PM CARES कोष के पदेन अध्यक्ष और रक्षा मंत्री, गृह मामलों के मंत्री और वित्त मंत्री, भारत सरकार कोष के पदेन न्यासी हैं।

न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष (प्रधान मंत्री) के पास तीन न्यासी बोर्ड को नामित करने की शक्ति होगी जो अनुसंधान, स्वास्थ्य, विज्ञान, सामाजिक कार्य, कानून, लोक प्रशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। न्यासी नियुक्त किया गया कोई भी व्यक्ति एक निशुल्क क्षमता में कार्य करेगा।

इस कोष में पूरी तरह से व्यक्तियों / संगठनों से स्वैच्छिक योगदान होता है तथा इसे कोई बजटीय सहायता नहीं मिलती है।

PM CARES फंड को दान आयकर अधिनियम, 1961 के तहत 100% छूट के लिए 80G लाभ हेतु अर्हता प्राप्त है। PM CARES फंड को दान कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) व्यय के रूप में भी गिना जाएगा।

PM CARES फंड को FCRA के तहत भी छूट मिली है तथा विदेशी दान प्राप्त करने के लिए एक अलग खाता खोला गया है। यह विदेशों में स्थित व्यक्तियों और संगठनों से दान और योगदान को स्वीकार करने के लिए PM CARES फंड को सक्षम बनाता है। यह प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) के संगत है। PMNRF को भी 2011 से एक सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में विदेशी योगदान मिला है।

Q.27) 'Kr00k' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह एक सुरक्षा भेद्यता है जो कुछ WPA2 एन्क्रिप्ट किए गए वाईफाई ट्रैफ़िक को डिक्रिप्ट करने की अनुमति देता है।
2. यह केवल लगाने योग्य उपकरणों (wearable devices) को प्रभावित करता है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1

b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.27) Solution (a)

Kr00k एक सुरक्षा भेद्यता है जो कुछ WPA2 एन्क्रिप्ट किए गए वाईफाई ट्रैफ़िक को डिक्रिप्ट करने की अनुमति देता है।

इसकी खोज तब की गई जब EEST नामक फर्म KRACK में शोध कर रही थी, जिसका पिछले साल पता चला, जो वाईफाई उपकरणों पर हमलों की एक श्रृंखला है।

ब्रॉडकॉम एड साईप्रेस (Broadcom ad Cypress) द्वारा निर्मित WiFI चिप्स हमले के लिए असुरक्षित हैं, जब तक डिवाइस WiFi नेटवर्क से जुड़ा होता है और हैकर उसी नेटवर्क की सीमा के भीतर होता है।

Read More - https://www.thehindu.com/sci-tech/technology/slovak-firm-spots-vulnerability-in-16-devices/article30965469.ece

Q.28) 'SEIR मॉडल' जो हाल ही में समाचारों में था, किसके साथ संबद्ध है

a) संक्रामक रोग (Infectious Diseases)
b) मूल्य न्यूनता भुगतान प्रणाली (Price Deficiency Payment Mechanism)
c) एक्वापोनिक्स और हाइड्रोपोनिक्स (Aquaponics and Hydroponics)
d) क्वांटम कम्प्यूटिंग

Q.28) Solution (a)

SEIR एक मॉडल, एक तकनीक है, जो महामारी विज्ञान (epidemiology) के लिए मौलिक है- यह चिकित्सा की वह शाखा है जो रोगों की शुरुआत, प्रसार और नियंत्रण की जांच करती है। यह दवा है, लेकिन सर्जरी या नेत्र विज्ञान जैसी नैदानिक खोज नहीं है; इसके बजाय, यह डेटा में एक बीमारी के बारे में बताता है और पैटर्न की तलाश करता है। एपिडेमियोलॉजिस्ट (Epidemiologists) गणितीय रूप से इस बीमारी की मॉडलिंग करते हैं। ऐसा करने का एक तरीका यह है कि बीमारी से प्रभावित होने वाली आबादी को "कम्पार्टमेंटलाइज़" किया जाए। विचार यह है कि प्रत्येक कंपार्टमेंट में समान विशेषताएं होती हैं जहाँ तक बीमारी का संबंध है, तथा हम प्रत्येक के बारे में निष्कर्ष निकाल सकते हैं, साथ ही साथ कैसे, वे दूसरों से संबंधित हैं, जान सकते हैं।

Q.29) निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुमेलित है / हैं?

1. सुखना झील - हिमाचल प्रदेश
2. ओटेरी झील - तमिलनाडु
3. वेल्लयानी झील - केरल

सही कथनों का चयन करें

a) 1 और 2
b) 2 और 3

c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.29) Solution (b)

सुखना झील - चंडीगढ़
ओटेरी झील - तमिलनाडु
वेल्लयानी झील - केरल

Q.30) 'बोनफूल' (Bonphool) ब्रांड, जो हाल ही में समाचारों में था, किससे संबंधित है

a) शहद
b) गुड़
c) चावल
d) दूध

Q.30) Solution (a)
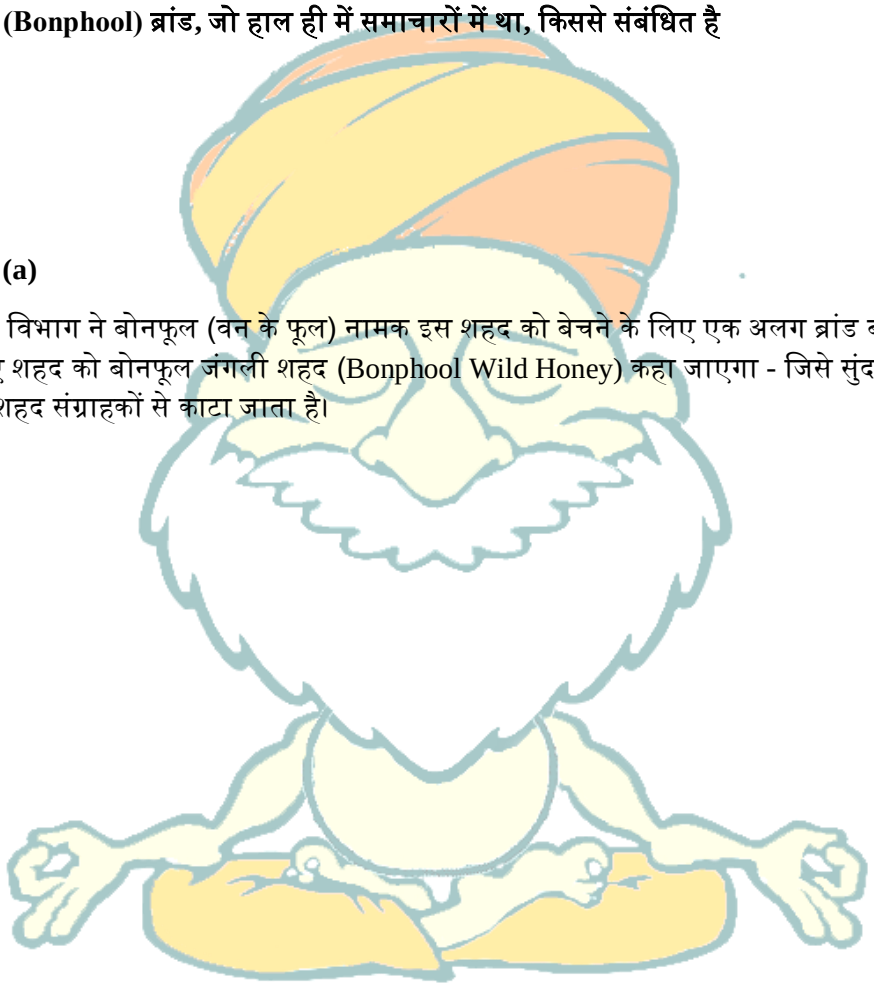
पश्चिम बंगाल वन विभाग ने बोनफूल (वन के फूल) नामक इस शहद को बेचने के लिए एक अलग ब्रांड बनाया है। मैंग्रोव वन से निकाले गए शहद को बोनफूल जंगली शहद (Bonphool Wild Honey) कहा जाएगा - जिसे सुंदरबन के मैंग्रोव वन से पारंपरिक शहद संग्राहकों से काटा जाता है।